CHAPTER 3, बिस्कोहर की माटी

PAGE 40, प्रश्न - अभ्यास

12:1:3:प्रश्न - अभ्यास:1

कोइयाँ किसे कहते हैं? उसकी विशेषताएँ बताइए।

उत्तर: कोइयाँ पानी में उत्पन्न होने वाला एक फूल है, इसे 'कुमुद' और 'कोका-बेली' के नाम से भी जाना जाता है।
इसकी निम्नलिखित विशेषताएं हैं;
(ए) पानी से भरे गड्ढे में ये आसानी से पनपता है।
(B) कोइयाँ भारत में अधिकांश स्थानों पर पाया जाता है।
(ग) इसमें बहुत आकर्षक गंध आती है।
(डी) शरद ऋतु की चांदनी में, चांदनी की छाया जो तालाबों में बनती है, कोइ की पत्तियों से मिलती जुलती है।

12:1:3:प्रश्न - अभ्यास:2

'बच्चे का माँ का दूध पीना सिर्फ़ दूध पीना नहीं, माँ से बच्चे के सारे संबंधों का जीवन-चरित होता है'- टिप्पणी कीजिए।

उत्तर: माँ और बच्चे के रिश्ते से दुनिया में ज्यादा शुद्ध और पवित्र रिश्ता कोई भी नहीं है। माँ भगवान से अधिक महान होती है और माँ का दूध अमृत से भी बढ़कर होता है। बच्चे का अपनी माँ के साथ बहुत गहरा रिश्ता होता है। यह रिश्ता तभी जुड़ जाता है जब बच्चा माँ की कोख में होता है। जब बच्चा इस दुनिया में आता है, तो 6 महीने तक वह केवल अपनी मां के दूध पर निर्भर रहता है। इसके बाद वह तीन से चार साल तक मां के दूध का सेवन करता है। जब मां बच्चे को दूध पान कराती है, तो वह बच्चे को अपने आँचल की छाया में रखती है । जब बच्चा रोता है, हँसता है, खाता है, पीता है और माँ के साथ खेलता है, यह माँ और बच्चे के बीच के रिश्ते को जीवंत करता है। अपनी माँ की गोद में दूध पीते हुए अपनी माँ के स्पर्श और गर्मजोशी को महसूस करता है। किसी भी बच्चे के लिए, उसकी माँ उसकी पोषण मित्र और एक महिला होती है। माँ का दूध पीने वाला बच्चा मानव जीवन को सार्थक करता है।

12:1:3:प्रश्न - अभ्यास:3

बिसनाथ पर क्या अत्याचार हो गया?

उत्तर: बिसनाथ अभी भी माँ के दूध पर निर्भर ही था कि उसके छोटे भाई का जन्म हो गया। छोटे भाई के जन्म के साथ, वह माँ के दूध से वंचित हो गया। बिशनाथ खुद अभी भी बच्चे थे लेकिन उनका छोटा भाई निस्संदेह उनसे छोटा था। इसलिए 6 महीने तक माँ के दूध पर उसका एकाधिकार बना रहना था। बिसनाथ के लिए यह किसी अत्याचार से कम नहीं था, जो सही भी था, क्योंकि अब छोटा भाई बिसनाथ के हिस्से से माँ का दूध पीता था। ये बिसनाथ को यातना देने के समान था, क्योंकि उसे अब गाय के दूध पर निर्भर रहना पड़ता था।

12:1:3:प्रश्न - अभ्यास:4

गर्मी और लू से बचने के उपायों का विवरण दीजिए। क्या आप भी उन उपायों से परिचित हैं?

उत्तर: गर्मी और लू से बचने के लिए निम्नलिखित उपाय अपनाए जाते थे :

(ए) प्याज को धोती और कुर्ते में गाँठ लगाकर बांधा जाता था।

(बी) कच्चे आम को आग में पका कर उसका शरबत बना कर पिया जाता था।

(ग) कच्चे आम को आग में पकाकर / तलकर या उबालकर उस से सर को धोया जाता था।

(घ) कच्चे आम को भुना जाता था और इसका शरबत गुड़ और चीनी के साथ मिलाया जाता था। इसे शरीर पर लगाया जाता था और इससे स्नान किया जाता था।

प्याज़ बाँधने,आम पना पीने,भुने हुए आम से सिर धोने वाले उपाय से कहीं ना कहीं अधिक या कम लेकिन अवगत तो हूँ पर शरीर पर लगाने और नहाने वाला उपाय मैंने तो न देखा है न सुना है।

12:1:3:प्रश्न - अभ्यास:5

लेखक बिसनाथ ने किन आधारों पर अपनी माँ की तुलना बत्तख से की है?

उत्तर: जिस तरह बत्तख अपने अंडों की देखभाल करने में सक्षम होती है और वैसे ही बिसनाथ की माँ अपने बच्चो के मामले बतख की तरह है। वास्तव में, बतख की इस तथ्य की विशेषता है कि वह अंडे देने के बाद पानी में नहीं जाती है और जब तक बच्चा अपने अंडों से बाहर नहीं निकलता है तब तक वह उन्हें सेकती रहती है। वह अपने अंडो को पंखों के बीच रखती है, और फिर बच्चों की सुरक्षा के लिए बहुत सतर्क रहने के साथ-साथ वह कोमलता से काम करती है। एक ओर जहां वह सतर्क रहती है, वहीं दूसरी ओर, वह अपने अंडों और उनमें से निकलने वाले बच्चों से किसी भी तरह के नुकसान से बचाने की कोशिश करती है। इसी तरह बिशनाथ की माँ भी अपने बच्चे को सुरक्षा देती है। बच्चो को कोमलता के साथ खिलाती है, पास में सोती है और उसका पूरा ख्याल रखती है, और उसके सारे काम करती है। इसलिए बिसनाथ ने अपनी माँ की तुलना बत्तख से की है।

12:1:3:प्रश्न - अभ्यास:6

'बिस्कोहर में हुई बरसात का जो वर्णन बिसनाथ ने किया है उसे अपने शब्दों में लिखिए?

उत्तर: बिस्कोहर में, बारिश सामान्य तरीके से नहीं होती है, बहुत ही अलग और भयंकर तरीके से होती है। पहले आकाश में घनघोर बादल छा जाते हैं, फिर वे गरजते हैं। अगर दिन में आसमान में बादल छाए ततो ऐसा प्रतीत होता है जैसे मानो रात हो गई हो। उसके बाद तेज बारिश होने लगती है, तबला, मृदंग, और सितार जैसी बारिश की आवाज़ सुनाई देती है, लेकिन जब बारिश बहुत तेज़ होती है, तो ऐसा लगता है मानो घोड़े दूर से दौड़ते हुए घर की तरफ आ रहे है। बारिश के कारण प्रतेक स्थान पानी - पानी हो जाता है। अगर एक बार बारिश शुरू हो गयी तो लगातार कई दिनों तक होती रहती है। जिसके कारण घर की छत उड़ जाती है, कभी-कभी जमीन धंस जाती है, नदी और नालों में पानी भर जाता है, नदी में बाढ़ आ जाती है। गांव के सभी पशु और पक्षी बारिश का आनंद लेते हुए यहां से भागते हुए दिखाई देते हैं। पहली बारिश से चर्म रोग ठीक हो जाते हैं।

12:1:3:प्रश्न - अभ्यास:7

फूल केवल गंध ही नहीं देते दवा भी करते हैं', कैसे?

उत्तर: हम ने देखा है की लोग अक्सर ये समझते है की फूल बस अपने रंग और सुगंध के कारण पहचाने जाते है। लेकिन लेखक इस बात से सहमत नहीं है उनका मानना है की फूल बस सुगंध ही नहीं देते बल्कि वो दवा का भी काम करते है। वह "भरभंडा " नामक फूल के बारे में कहते है की इस फूल का दूध अगर आँखों में निचोड़ दिया जाये तो आँख से सम्बंधित सारी बीमारियाँ ठीक हो जाती है ,नीम के फूल को अगर चेचक के ऊपर लगाया जाये तो चेचक ठीक हो जाता है, बेर के फूलों को सूंघने मात्र से ही बर्रे-ततैये का डंक अपने-आप झड जाता है।

12:1:3:प्रश्न - अभ्यास:8

'प्रकृति सजीव नारी बन गई'- इस कथन के संदर्भ में लेखक की प्रकृति, नारी और सौंदर्य संबंधी मान्यताएँ सपष्ट कीजिए।

उत्तर: लेखक की नजर में प्रकृति, स्त्री और सौंदर्य से जुड़ी कुछ मान्यताएँ हैं जो आपस में जुड़ी हुई हैं। जब लेखक दस साल का था, तो उसने एक महिला को देखा था जो उससे दस

साल बड़ी थी और अद्भुत सुंदर थी। संतोषी भाई के आँगन में एक जूही की बेल थी, उससे आने वाली सुगंध को लेखक के जीवन तक को महका गयी थी। यदि लेखक चांदनी रात में बेल पर फूल खिलते हुए चांदनी को देखता है, तो यह उसे प्रतीत होता कि खुद चांदनी, जूही के फूलों का रूप लेकर एक लता में उग आयी हैं। यहाँ लेखक प्रकृति को जूही, खुशबू, लता और स्त्री के रूप में देखता है। उनके लिए, वे अलग नहीं हैं, लेकिन वे सभी परस्पर जुड़े हुए हैं। वह प्रकृति में स्त्री को देखता है और स्त्री को प्रकृति के रूप में।

12:1:3:प्रश्न - अभ्यास:9

ऐसी कौन सी स्मृति है जिसके साथ लेखक को मृत्यु का बोध अजीब तौर से जुड़ा मिलता है?

उत्तर: लेखक ने एक बार गाँव में ठुमरी सुनी। ठुमरी सुनकर लेखक को रोने का मन करने लगा। लेखक कहता है कि उस ठुमरी को सुनते समय, उसे उस महिला की याद आती है जो अपने मृत्यु की गोद में गए पति को याद करती है। उसे बस अपने प्रिय से मिलने का इंतज़ार रहता है उसका प्रियतम हर

रूप में उसके साथ है। इस स्मृति को याद करके, लेखक अजीब तरह से मौत के अहसास से जुड़ जाता है।